



कक्षा-12 इतिहास

हिंदी माध्यम

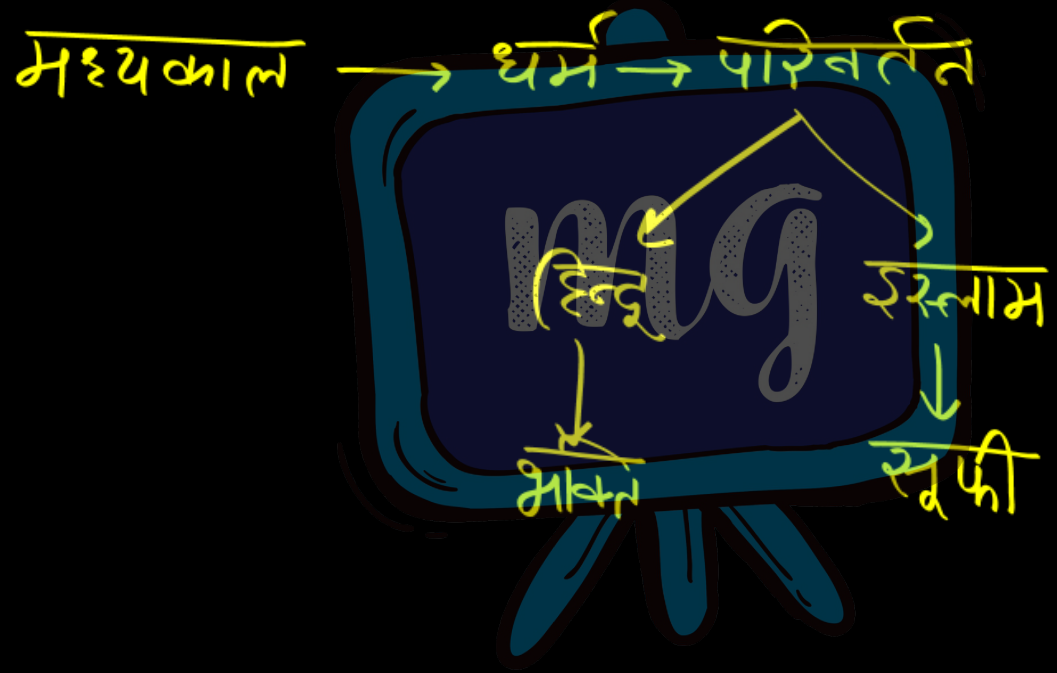
ARJUN BATCH

भक्ति संप्रदाय परम्पराएँ

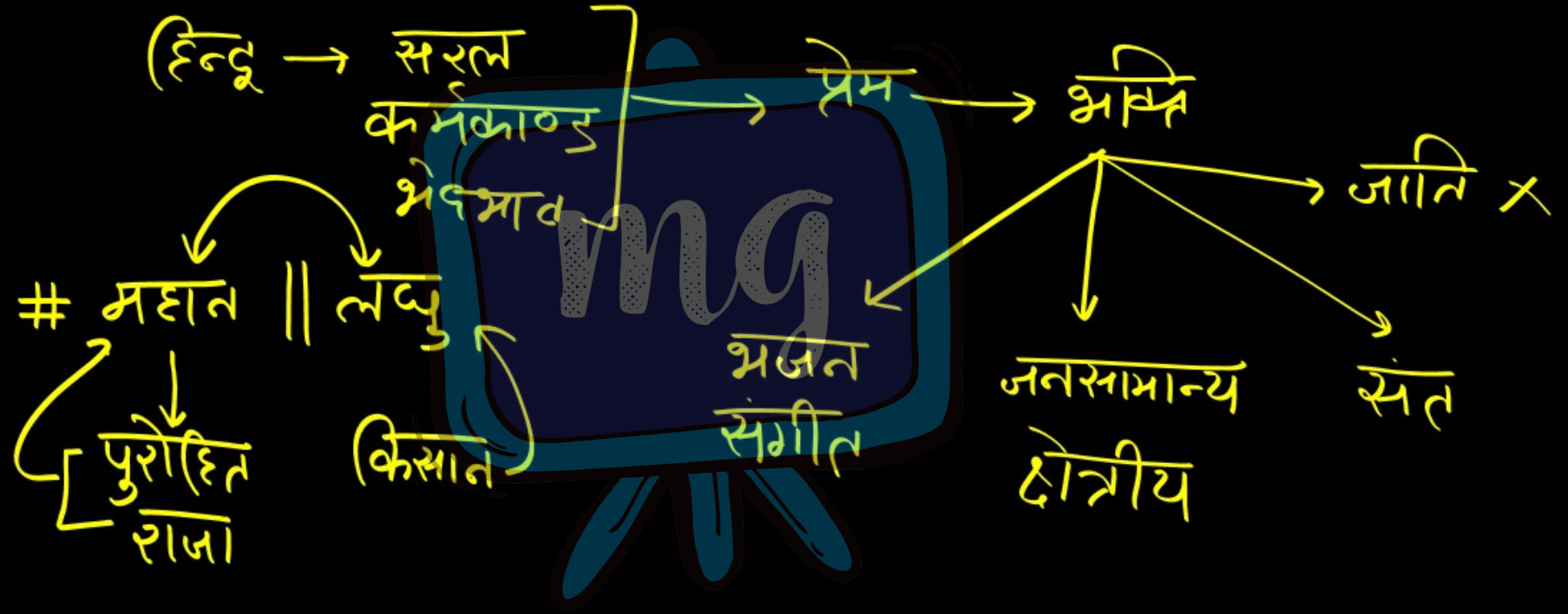
Chapter-6 | Part-8



भक्ति-सूफी परंपरा



भक्ति परंपरा





आज क्या पढ़ेंगे ?

अभ्यास प्रश्न

mg

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

Q1. धार्मिक इतिहासकार भक्ति परम्परा को
किन मुख्य वर्गों में विभाजित करते हैं?



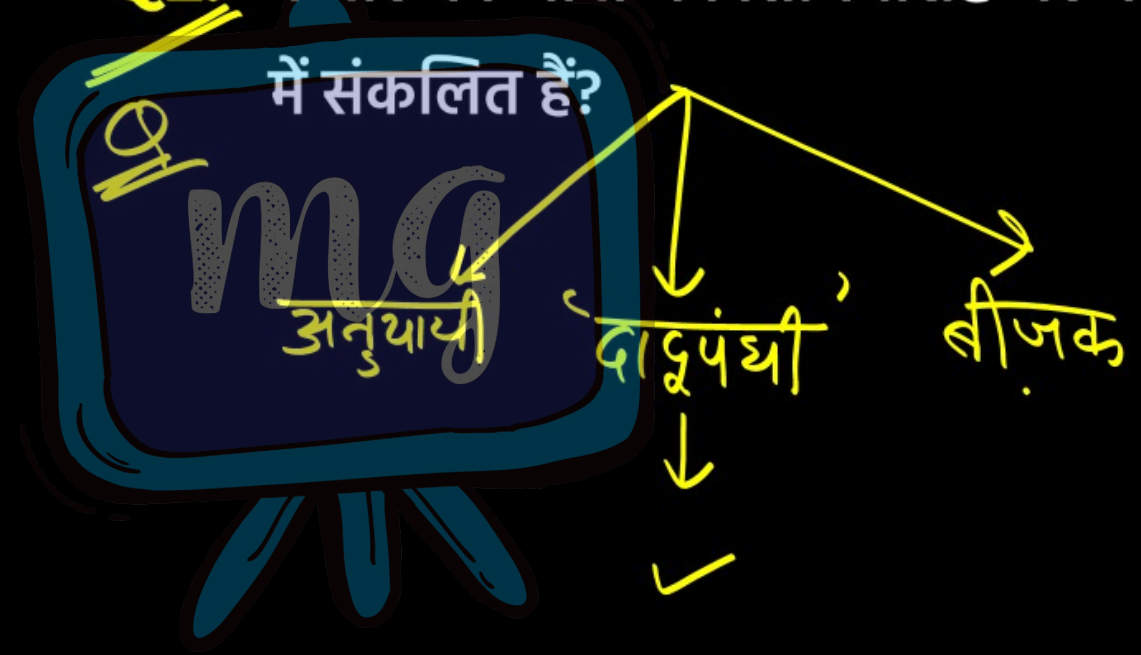
दीर्घउत्तरीय प्रश्न

उत्तर : भक्ति परम्परा के दो वर्ग

- 
- ✓ सगुण भक्ति – शिव, विष्णु, उनके अवतारों एवं देवियों की साकार रूप में उपासना।
 - ✓ निर्गुण भक्ति – निराकार ईश्वर की उपासना।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

Q2. कबीर की बानी कौनसी विशिष्ट परम्पराओं में संकलित हैं?



दीर्घउत्तरीय प्रश्न

उत्तर : कबीर की बानी तीन विशिष्ट परम्पराओं में संकलित हैं-

- (i) कबीर बीजक कबीरपंथियों द्वारा वाराणसी तथा उत्तर प्रदेश के अन्य स्थानों पर संरक्षित है।
- (ii) कबीर ग्रन्थावली का संबंध राजस्थान के दादूपंथियों से है।
- (iii) कबीर के कई पद आदि ग्रन्थ साहिब में संकलित हैं।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

Q3. भक्ति आंदोलन में मीराबाई के योगदान पर
संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

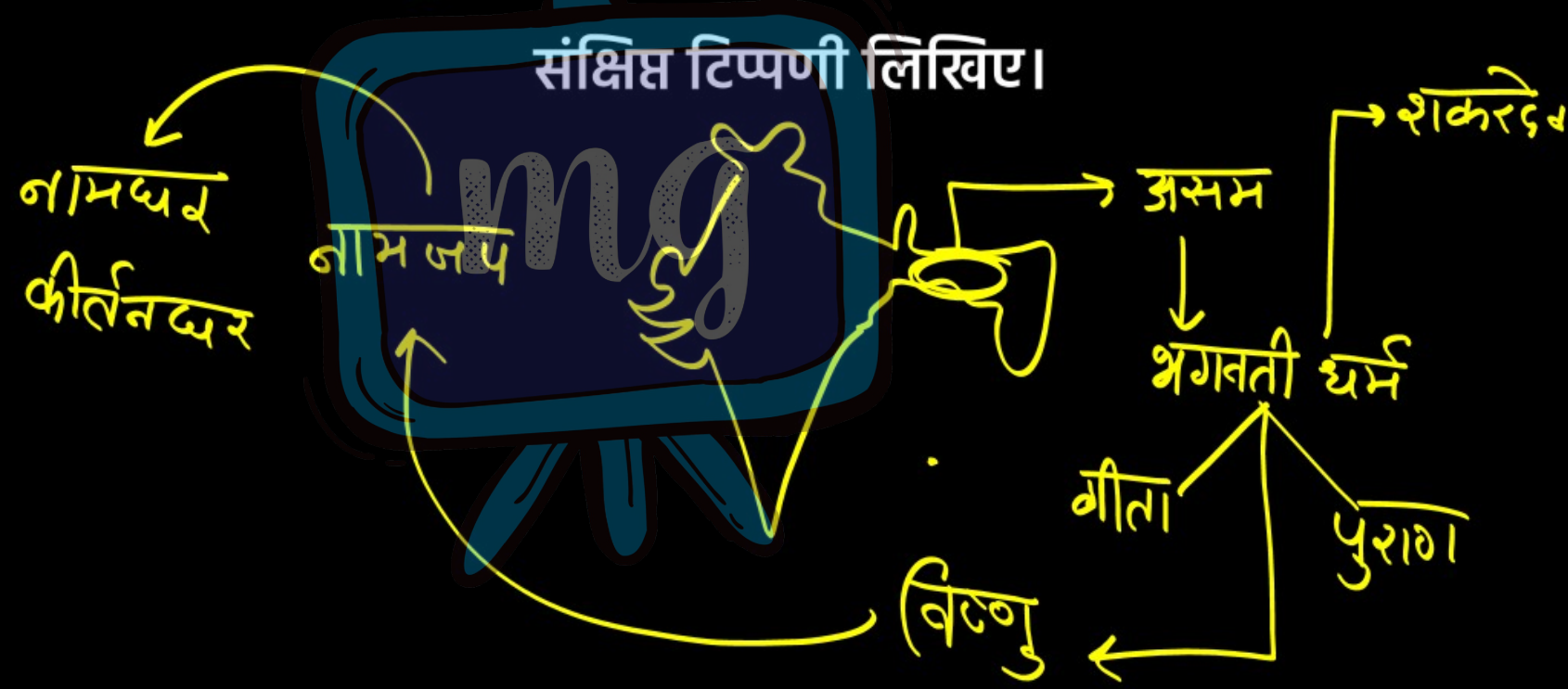


दीर्घउत्तरीय प्रश्न

- उत्तर : परिचय : मेवाड़ राजकुल से संबंध रखने वाली महिला संत और सुप्रसिद्ध कवयित्री।
- परिवार : राणा सांगा की पुत्रवधू।
- भक्ति मार्ग : पति की मृत्यु के बाद संन्यास ग्रहण कर श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन।
- रचनाएँ : श्रीकृष्ण के प्रति अनुराग व्यक्त करने वाले भजन और ग्रंथ, जो राजस्थान और गुजरात में लोकप्रिय।
- महत्व : जातिवादी रुढ़ियों पर प्रहार करने वाली संत के रूप में सम्मानित।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

Q4. भक्ति आंदोलन में शंकरदेव के योगदान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

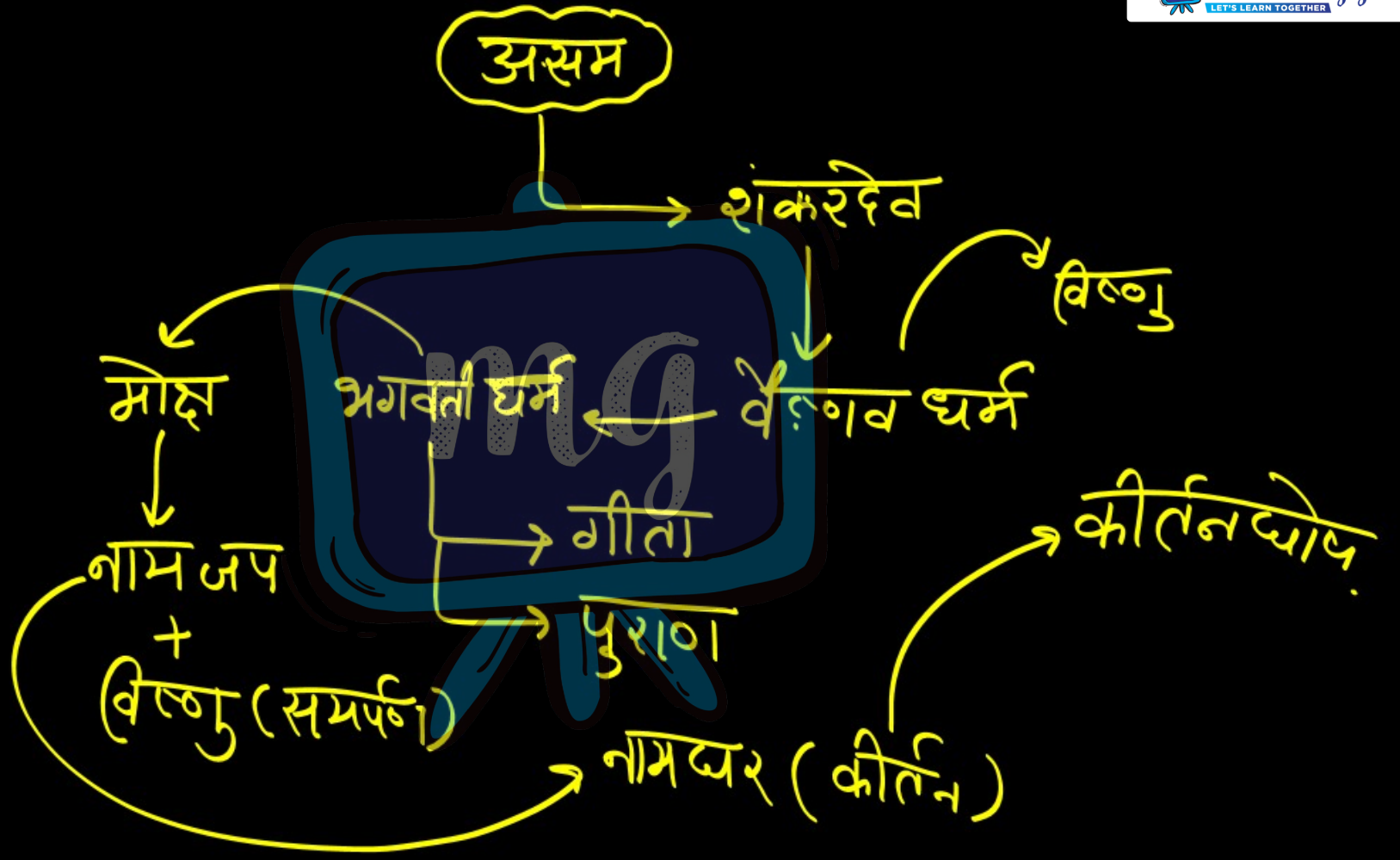


दीर्घउत्तरीय प्रश्न

उत्तर : शंकरदेव : असम क्षेत्र में वैष्णव धर्म के

मुख्य प्रचारक थे।

- उनके उपदेशों को भगवती धर्म कहकर
संबोधित किया जाता है।
- प्रमुख काव्य रचना : कीर्तनघोष है।



दीर्घउत्तरीय प्रश्न

Q5. पंच ककार परम्परा क्या है ?



दीर्घउत्तरीय प्रश्न

उत्तर : गुरु गोविन्द सिंह ने सिखों को पाँच प्रतीक धारण करने का आदेश दिया, जिसे पंच ककार कहा जाता है।

ये पाँच प्रतीक हैं-

- बिना कटे केश ✓
- कृपाण ✓
- कंघा ✓
- कच्छा ✓
- कड़ा ✓

→ ⑤ के

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

Q6. कर्नाटक की वीरशैव परम्परा पर संक्षिप्त

टिप्पणी लिखिए।



लिगायत/वीरशैव

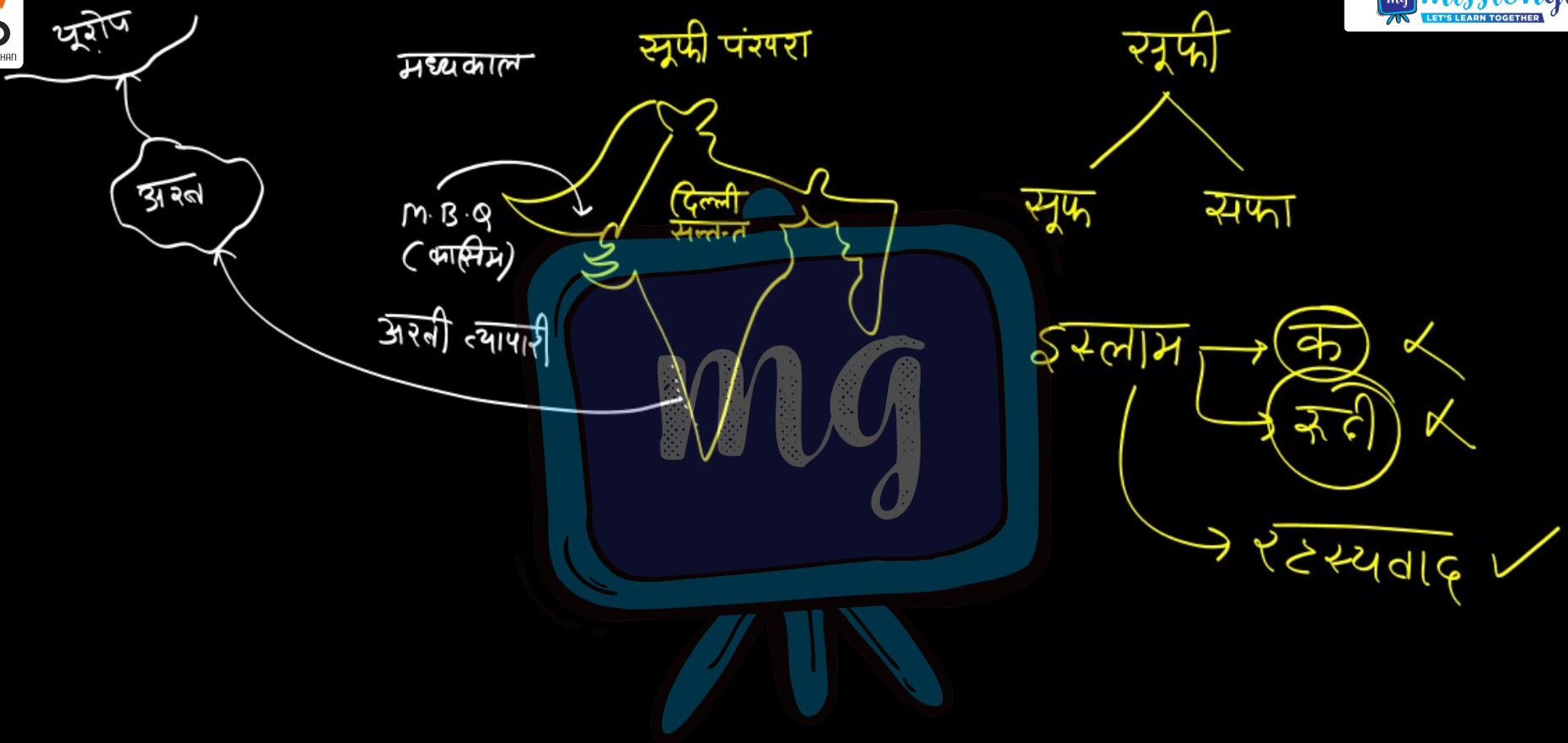
वासवन्ना

- मूर्तिपूजा ✗
- चांदी का शिवलिंग
- समाज = जाति ✗
- कन्नड
- पुनः जन्म ✗
- विधवापुनः ✓

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

उत्तर : बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में बासवन्ना के नेतृत्व में एक नवीन धार्मिक आंदोलन का उद्भव हुआ।

- बासवन्ना के अनुयायी वीरशैव व लिंगायत कहलाए।
- इस समुदाय के लोग शिव की पूजा लिंग के रूप में करते हैं।
- लिंगायतों ने जाति की अवधारणा और पुनर्जन्म सिद्धान्त का विरोध किया।



राजा धर्म
(सुल्तान) (रसूलाय)



इरिया
(इस्लामी
कानून)



दीर्घउत्तरीय प्रश्न

Q7. सुफीवाद और भक्ति आंदोलन की समानताओं पर टिप्पणी लिखिए।

अथवा

भक्ति आंदोलन की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

उत्तर : सूफीवाद और भक्ति आंदोलन ने एक दूसरी विचारधारा को प्रभावित किया और दोनों में अनेक समान विशेषताएं दिखाई देती हैं-

(i) एकेश्वरवाद

(ii) मानवतावादी दृष्टिकोण

(iii) प्रेममार्गी विचारधारा

(iv) गुरु की महिमा का गुणगान

(v) सहनशीलता

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

(vi) जाति प्रथा तथा सामाजिक भेदभाव का विरोध

(vii) पाखण्ड एवं कर्मकाण्डों का विरोध

(viii) आत्मज्ञान के महत्व पर बल

(ix) सगुण या निर्गुण ईश्वर की उपासना

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

Q8. "कबीर और नानक सामाजिक चेतना के प्रहरी थे कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

कबीर एवं गुरु नानक देव की प्रमुख शिक्षाएं बताइए।

अथवा

निर्गुण भक्ति परम्परा में कबीर एवं गुरु नानक देव का मूल्यांकन कीजिए।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

उत्तर: मध्यकालीन भक्ति आंदोलन में संत कबीर

और गुरु नानक का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

• दोनों संतों ने निर्गुण भक्ति परंपरा को लोकप्रिय बनाया।

• मूर्तिपूजा के महत्त्व को अस्वीकार कर निराकार ईश्वर की उपासना पर बल दिया।

• समान धार्मिक और सामाजिक बुराइयों का विरोध किया।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

- जाति प्रथा और सामाजिक भेदभाव को अस्वीकार किया।
- धार्मिक पाखंड और कर्मकांडों के प्रति जनसामान्य को जागरूक किया।
- सरल जीवन और सीधो-सादी उपासना पद्धति के समर्थक थे।
- केवल धार्मिक उपदेशक ही नहीं, बल्कि सामाजिक चिंतक भी माने जाते हैं।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

Q9. महान और लघु परम्पराओं से आप क्या

समझते हैं?

mg

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

उत्तर : समाजशास्त्री रॉबर्ट रेडफील्ड ने कृषक

समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक

परंपराओं को दो भागों में विभाजित किया –

महान परंपरा और लघु परंपरा।

- महान परंपरा वे कर्मकांड और पद्धतियाँ हैं जिन्हें समाज का अभिजात्य वर्ग, जैसे राजा और पुरोहित अपनाते थे।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

- कृषक समाज इन महान परंपराओं का अनुसरण करने में रुचि रखता था।
- लघु परंपरा वे स्थानीय लोकाचार और रीति-रिवाज हैं, जिनका पालन कृषक समुदाय अपने सामाजिक जीवन में करता था।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

Q10. इतिहासकार धार्मिक परम्परा के इतिहास के पुनर्निर्माण करने के लिए किन-किन स्रोतों का उपयोग करते हैं?

① मूर्तियों

② ग्रंथ

③ संरचना

④ पवित्र

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

उत्तर : धार्मिक परंपराओं के इतिहास के पुनर्निर्माण में विभिन्न स्रोत सहायक होते हैं।

- मूर्तियां, स्थापत्य कला, धर्मगुरुओं से जुड़ी लोक कहानियां और संत कवियों की साहित्यिक काव्य रचनाएं महत्वपूर्ण स्रोत हैं।
- इतिहासकार संत कवियों के अनुयायियों द्वारा लिखी गई जीवनियों का भी उपयोग करते हैं।
- हालाँकि, ये जीवनियां पूर्णतः सत्य नहीं मानी जा सकतीं।

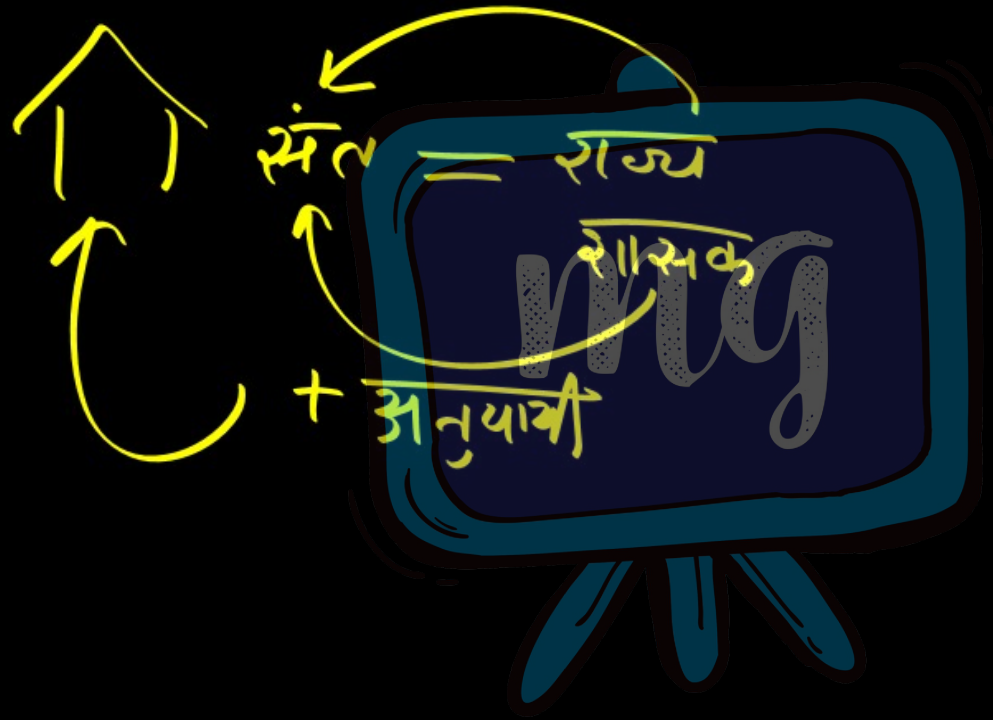
दीर्घउत्तरीय प्रश्न

Q11. भारतीय उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिले के प्रसार पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए।



'सूफी' → गुरु

- | | |
|-----------------|--------------------|
| ① पीर / शेख | ⑥ उर्म |
| ② मुरीद → शिष्य | ⑦ समा |
| ③ सिलसिला | ⑧ बे शरा - शरिया ✗ |
| ④ वलि / खलीफा | ⑨ वा शरा - शरिया ✓ |
| ⑤ खानकाह | |



दीर्घउत्तरीय प्रश्न

उत्तर : भारत में आने वाले सूफी सम्प्रदायों में चिश्ती

सिलसिला सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली था।

- चिश्ती शैखों ने स्थानीय परिवेश को अपनाया और भारतीय भक्ति परंपरा की कई विशेषताओं को आत्मसाद किया।
- ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती को भारत में चिश्ती सिलसिले का संस्थापक माना जाता है।
- शैख निजामुद्दीन औलिया ने कई आध्यात्मिक उत्तराधिकारी चुने और उन्हें उपमहाद्वीप के विभिन्न हिस्सों में खानकाहें स्थापित करने के लिए भेजा।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

- इसके कारण चिश्ती सिलसिले के उपदेश, व्यवहार और संस्थाएं पूरे उपमहाद्वीप में प्रसिद्ध हो गईं।
- शेख निजामुद्दीन औलिया की ख्याति और चिश्ती सिलसिले की लोकप्रियता व्यापक रूप से फैल गई।